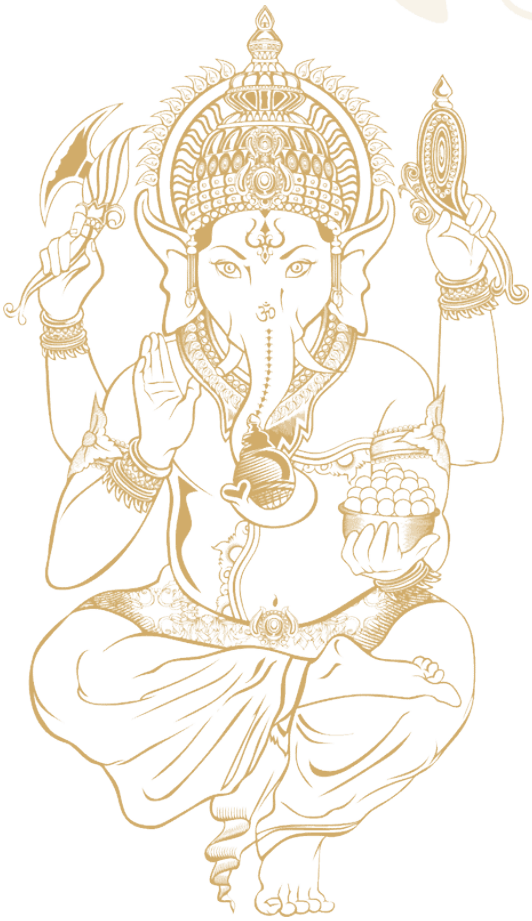

Aditya vashishth

25 Jul 1989

07:15 AM

Khategaon

Model: Varshphal-2017

Order No: 121065601

तिथि 25/07/1989 **समय** 07:15:15 **वार** मंगलवार **स्थान** Khategaon **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:42:51
अक्षांश 22:36:00 उत्तर **रेखांश** 76:55:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:22:20 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	03:03:55 घं	गण	देव
वेलान्तर	00:06:29 घं	योनि	अश्व
सूर्योदय	05:50:46 घं	नाड़ी	आद्य
सूर्यास्त	19:06:31 घं	वर्ण	क्षत्रिय
चैत्रादि संवत	2046	वश्य	चतुष्पाद
शक संवत	1911	वर्ग	सिंह
मास	श्रावण	युँजा	पूर्व
पक्ष	कृष्ण	हंसक	अग्नि
तिथि	7	जन्म नामाक्षर	चू-चूड़ामणि
नक्षत्र	अश्विनी	पाया(रा.-न.)	ताम्र-स्वर्ण
योग	धृति	होरा	सूर्य
करण	बव	चौघड़िया	रोग

विंशोत्तरी
केतु 6वर्ष 0मा 1दि
चन्द्र
26/07/2021
27/07/2031

चन्द्र	27/05/2022
मंगल	26/12/2022
राहु	26/06/2024
गुरु	26/10/2025
शनि	27/05/2027
बुध	25/10/2028
केतु	27/05/2029
शुक्र	25/01/2031
सूर्य	27/07/2031

योगिनी
भ्रामरी 3वर्ष 5मा 5दि
भ्रामरी
29/12/2024
29/12/2028

भ्रामरी	09/06/2025
भद्रिका	29/12/2025
उल्का	30/08/2026
सिद्धा	10/06/2027
संकटा	30/04/2028
मंगला	09/06/2028
पिंगला	29/08/2028
धान्या	29/12/2028

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			26:11:35	कर्क	आश्लेषा	3	बुध	गुरु	---	0:00			
सूर्य			08:23:40	कर्क	पुष्य	2	शनि	शुक्र	मित्र राशि	1.72	भ्रातृ	पितृ	मित्र
चंद्र			01:53:47	मेष	अश्विनी	1	केतु	शुक्र	सम राशि	0.84	ज्ञाति	मातृ	जन्म
मंगल			00:18:50	सिंह	मघा	1	केतु	केतु	मित्र राशि	1.50	कलत्र	भ्रातृ	जन्म
बुध		अ	15:56:43	कर्क	पुष्य	4	शनि	गुरु	शत्रु राशि	1.15	आत्मा	ज्ञाति	मित्र
गुरु			05:03:25	मिथु	मृगशिरा	4	मंगल	सूर्य	शत्रु राशि	1.22	पुत्र	धन	प्रत्यारि
शुक्र			07:30:12	सिंह	मघा	3	केतु	राहु	शत्रु राशि	1.15	मातृ	कलत्र	जन्म
शनि	व		15:18:43	धनु	पूर्वाषाढ़ा	1	शुक्र	शुक्र	सम राशि	1.21	अमात्य	आयु	सम्पत
राहु			02:17:49	कुंभ	धनिष्ठा	3	मंगल	केतु	मित्र राशि		---	ज्ञान	प्रत्यारि
केतु			02:17:49	सिंह	मघा	1	केतु	शुक्र	शत्रु राशि		---	मोक्ष	जन्म

लग्न-चलित

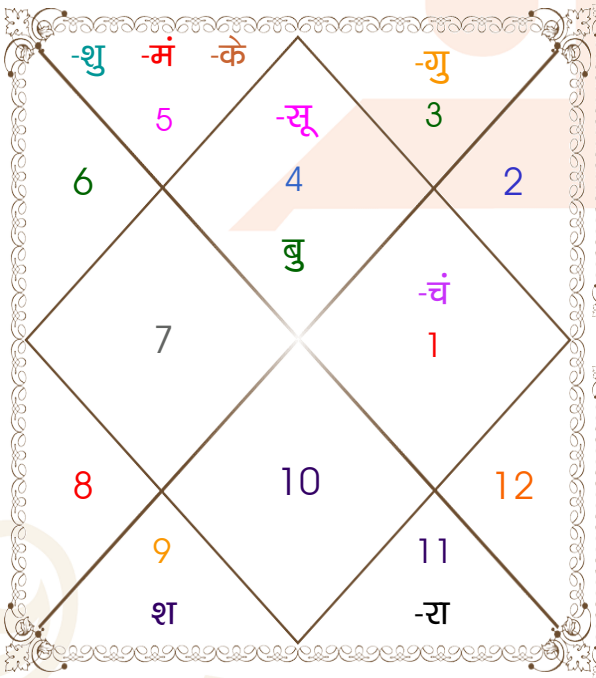

चन्द्र कुंडली

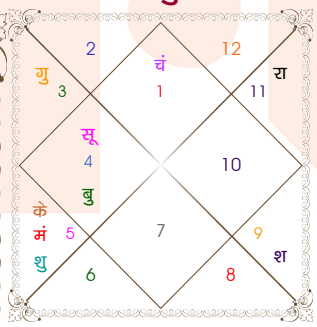

नवमांश कुंडली

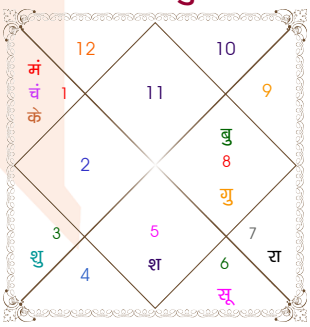

सर्वाष्टकवर्ग

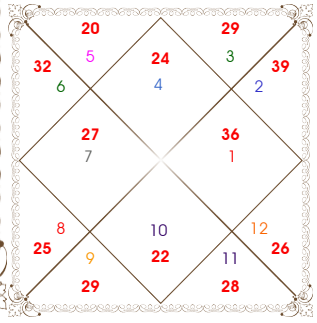

दशमांश कुंडली

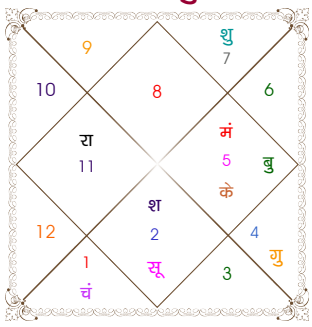

FUTUREPOINT Astro Solutions
एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा वातजनित रोगों या बुखार आदि से आप कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे तथा मन में व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। शत्रु वर्ग से इस समय आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे तथा आपके लिए समय समय पर वे बाधाएं उत्पन्न करेंगे। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि इस समय अच्छी नहीं रहेगी तथा परस्पर कलह एवं विवाद होता रहेगा। साथ ही स्त्री से भी आपको कोई विशेष सुख एवं सहयोग की प्राप्ति नहीं होगी एवं संबंधों में तनाव रहेगा फलतः दाम्पत्य जीवन में कटुता रहेगी। संतति पक्ष से भी इस समय आपको कोई सहयोग नहीं मिलेगा तथा उनका स्वास्थ्य भी मध्यम रहेगा। साथ ही अन्य कई प्रकार से आपको मानसिक तथा सांसारिक कष्ट प्राप्त होंगे। इस वर्ष में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा अधिकाशं कार्यो में असफलता ही मिलेगी एवं रूकावटें भी उत्पन्न होंगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता की दृष्टि से वर्ष विशेष अच्छा नहीं रहेगा । इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी। अतः नवीन कार्य प्रारम्भ न करें तथा पुराने कार्य पर ही परिश्रम करें। नौकरी या राजनीति में भी इस समय आपकी पदोन्नति में विलम्ब होगा तथा वरिष्ठ नेता एवं अधिकारी वर्ग आपसे असन्तुष्ट रहेगा जिससे कार्य क्षेत्र प्रभावित होगा। आर्थिक दृष्टि से भी वर्ष अच्छा नहीं रहेगा तथा आय स्रोतों में व्यवधान होंगे फलतः यदा कदा आपको धनाभाव का सामना भी करना पड़ सकता है। साथ ही व्यय भी अधिक रहेगा। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा। अतः इस समय शान्ति एवं परिश्रम पूर्वक अपने कार्यो में तत्पर रहें तथा विशेष शुभ फल की आशा कम ही रखें।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष सामान्य रहेगा तथापि यदा कदा आपको शारीरिक रूप से कष्ट या परेशानी हो सकती है। मानसिक स्थिति भी इस समय मध्यम रहेगी तथा समय समय पर मन में व्याकुलता तथा अशान्ति रहेगी। इस समय बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके सामान्य संबंध रहेंगे तथा उनसे लाभ एवं सहयोग भी अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। साथ ही यदा कदा अल्प समय के लिए संबंधों में तनाव भी हो सकता है। इस वर्ष में आपके विगत रूके हुए कार्य परिश्रम पूर्वक सम्पन्न होंगे तथा मानसिक संकल्पों में भी न्यूनाधिक सफलता प्राप्त हो सकती है । संतति पक्ष के लिए समय मध्यम रहेगा तथा अपने क्षेत्र में वे सामान्यतया उन्नतिशील रहेंगे परन्तु आपको उनसे विशेष सुख एवं सहयोग अल्प ही मिलेगा। साथ ही भौतिक सुख संसाधनों में भी न्यूनता रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष परिश्रम एवं संघर्ष पूर्ण रहेगा तथा व्यापार में सामान्य सफलता प्राप्त होगी। साथ ही लाभ भी होगा परन्तु अल्प मात्रा में। नौकरी या राजनीति में आपकी पदोन्नति में बाधाएं उत्पन्न होंगी तथा विलम्ब भी होगा। साथ ही विरोधी पक्ष भी प्रबल रहेगा इस वर्ष उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेताओं से आपके संबंध मधुर नहीं रहेंगे अतः इनसे आपको विशेष सहयोग एवं लाभ नहीं मिलेगा। इस वर्ष में स्वपराक्रम से आप मान एवं प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे साथ ही आय स्रोतो में भी वृद्धि होगी फलतः आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी परन्तु समय अत्यन्त ही परिश्रमशील रहेगा। अतः धैर्य पूर्वक अपने समस्त कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। इससे शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में चिड़चिड़ापन भी विद्यमान रहेगा ।साथ ही आपके सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी परिश्रम पूर्वक सिद्ध होंगे। शत्रुपक्ष से इस समय आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी एवं वे आपके लिए यदा कदा अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आपको असुविधा होगी। इस समय आपके घर में चोरी आदि की भी संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय में आपको सावधान तथा सतर्क रहना चाहिए।धर्म के प्रति इस समय आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्यों की आप उपेक्षा करेंगे।इसके साथ ही मानसिक अशान्ति तथा असन्तुष्टि भी बनी रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र के लिए भी समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा तथा अधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट से रहेंगे।अतः इस समय इनकी आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा न करें।व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें तथा किसी नये कार्य पर व्यय न करें अन्यथा हानि की संभावना रहेगी। साथ ही इस समय आपको लोकोपवाद से मान हानि भी मिल सकती है तथा मुकद्दमे या चुनाव आदि में आपकी हार हो सकती है।इस समय आपकी दूर की कोई यात्रा भी होगी जिससे विशेष लाभ नहीं होगा तथा यात्रा के मध्य कष्ट की संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय को धैर्य एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत करना चाहिए।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आपको शारीरिक कष्ट की अनुभूति होती रहेगी।साथ ही मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे तथा हृदय में उद्विग्नता का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय संबधियों से आपके संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा उनसे लाभ एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा।साथ ही परस्पर कलह का भाव भी उत्पन्न हो सकता है। स्त्री से भी आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा उसका स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा। अतः दाम्पत्य सुख में भी अल्पता की अनुभूति होगी। इस वर्ष में आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रहेगी तथा व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः आर्थिक रूप से यदा कदा परेशानी की अनुभूति करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिए यह वर्ष शुभ नहीं रहेगा इस समय व्यापार संबधी समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा सहयोगियों एवं साझेदार से हानि की संभावना रहेगी। अतः व्यापार में पूर्ण सतर्कता से अपने कार्यो को सम्पन्न करें। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में उन्नतिमार्ग में बाधाएं आएंगी तथा उसमें अनावश्यक विलम्ब भी होगा। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी विशेष सहयोग नहीं मिलेगा अतः शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में इच्छित सफलता अल्प मात्रा में ही मिलेगी।इस समय यात्रा आदि से भी कष्ट एवं हानि की संभावना रहेगी अतःयात्रा की यत्नपूर्वक उपेक्षा करें तथा ऐसे समय को शान्ति एवं बुद्धिमता पूर्वक व्यतीत करना चाहिए।

प्रथम मास

25/07/2026 18:41:27 से 26/08/2026 01:12:11 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	उत्तराषाढ़ा	02:41:06
सूर्य		कर्क	पुष्य	08:23:40
चन्द्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	23:37:42
मंगल		वृष	मृगशिरा	24:27:17
बुध		मिथुन	पुनर्वसु	22:12:28
गुरु		कर्क	पुष्य	11:18:10
शुक्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	23:02:36
शनि		मीन	रेवती	20:31:04
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:52:38
केतु	व	सिंह	मघा	05:52:38
मुंथा		सिंह	पू०फाल्गुनी	26:11:35

मासाधिपति

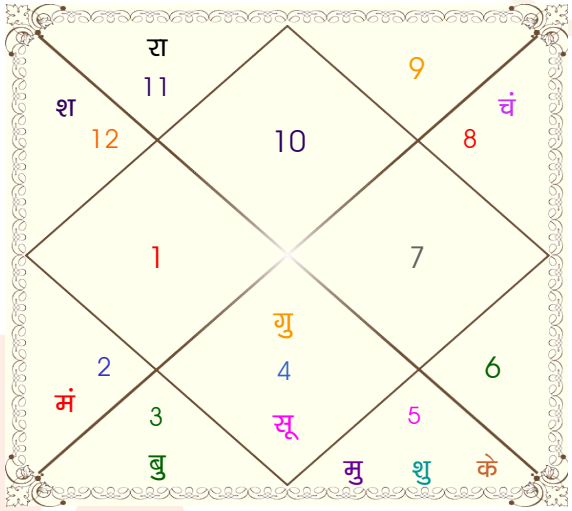

मासाधिपति : शनि

इस समय आपको शत्रुओं से भय एवं चिन्ता बनी रहेगी साथ ही घर में चोरी होने की भी सम्भावना रहेगी। इस समय आपका अनावश्यक रूप से व्यय होगा एवं धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा में न्यूनता आएगी। शारीरिक रूप से भी आप विभिन्न प्रकार से कष्टानुभूति करेंगे परिणामतः आपके बल में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त इस मास में आप घर से दूर किसी यात्रा को सम्पन्न कर सकते हैं। सांसारिक कार्यो में भी इस समय आप कष्ट प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी आपका धन व्यय हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप गर्मी के कारण बुखार आदि से भी कष्टानुभूति करेंगे। इस समय किसी प्रकार से रक्त विकार की भी सम्भावना हो सकती है। अतः शारीरिक सुरक्षा का आपको पूर्ण ध्यान रखना चाहिए।

द्वितीय मास

26/08/2026 01:12:11 से 25/09/2026 22:00:11 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	मृगशिरा	02:57:01
सूर्य		सिंह	मघा	08:23:40
चन्द्र		मकर	श्रवण	11:11:52
मंगल		मिथुन	आर्द्रा	15:12:56
बुध		सिंह	मघा	06:29:04
गुरु		कर्क	आश्लेषा	18:09:28
शुक्र		कन्या	चित्रा	23:46:58
शनि	व	मीन	रेवती	19:46:18
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	05:36:17
केतु		सिंह	मघा	05:36:17
मुंथा		सिंह	उ०फाल्गुनी	28:41:35

मासाधिपति

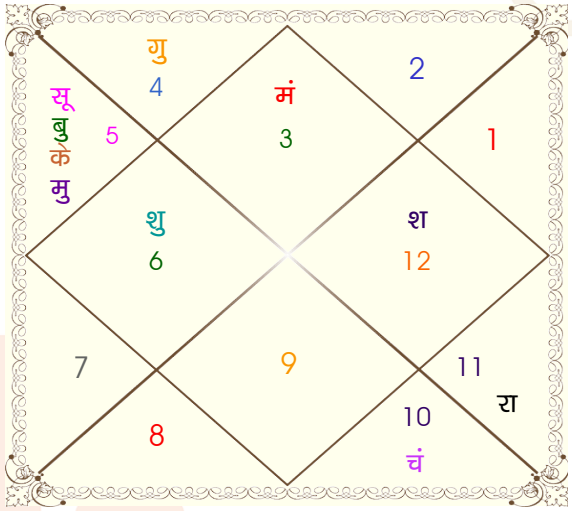

मासाधिपति : सूर्य

यह मास आपके लिए उत्तम रहेगा तथा इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज में आपको यश तथा सम्मान की भी प्रप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूजा तथा सत्कार की भावना उत्पन्न होगी। आप अन्य जनों की भलाई के लिए भी तत्पर रहेंगे एवं यत्नपूर्वक इसे सम्पन्न करेंगे। आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करके यश की प्रप्ति करेंगे। साथ ही आपकी मानप्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। इस मास भाइयों से आप पूर्ण सहयोग तथा सुख प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त अपने मानसिक विचारों तथा संकल्पों को भी पूर्ण करने में आप सफल रहेंगे।

साथ ही अन्य शुभ फलों के प्रभाव में भी नित्य वृद्धि होती रहेगी। इससे शरीर में आरोग्यता मन में संतुष्टि एवं बुद्धि के प्रभाव में वृद्धि होगी। जिससे यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक होगा एवं मानसिक रूप से आप पूर्ण प्रसन्न रहेंगे।

तृतीय मास
25/09/2026 22:00:11 से 26/10/2026 06:28:25 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	रोहिणी	16:02:04
सूर्य		कन्या	उ०फाल्गुनी	08:23:40
चन्द्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	25:49:34
मंगल		कर्क	पुष्य	04:19:56
बुध		कन्या	चित्रा	29:08:02
गुरु		कर्क	आश्लेषा	24:23:18
शुक्र		तुला	स्वाति	13:11:14
शनि	व	मीन	रेवती	17:45:31
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:20:50
केतु	व	सिंह	मघा	05:20:50
मुंथा		कन्या	उ०फाल्गुनी	01:11:35

मासाधिपति

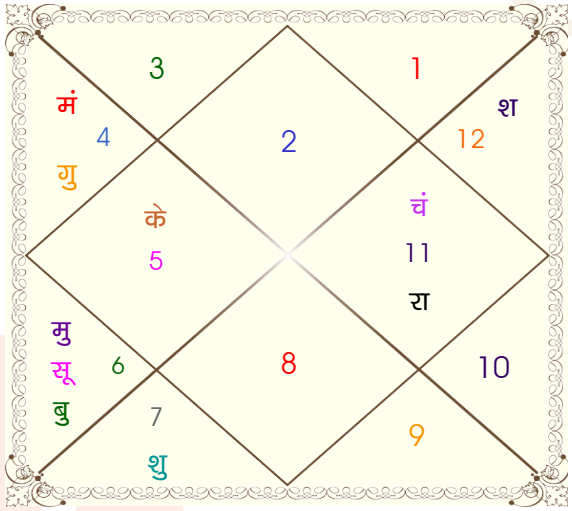

मासाधिपति : बुध

यह मास आपके लिए विशेष शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला होगा। इस मास में आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य आप अपनी बुद्धिबल से ही सम्पन्न करेंगे। इस समय आप कई प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करेंगे एवं पुत्र सुख भी आपको प्राप्त होगा। आपके प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी एवं सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को मन से स्वीकार करेंगे। इस मास आपके शुभ कार्य भी सम्पन्न होंगे तथा किसी शुभ समाचार को भी प्राप्त करेंगे। देवता तथा ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा इनका आप यथोचित सम्मान एवं पूजन करेंगे। इसके साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप यथोचित लाभ अर्जित करने में भी सफल सिद्ध होंगे एवं समाज से पूर्ण मान प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे।अतः मानसिक रूप से पूर्ण प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख अर्जित करेंगे एवं अपनी बुद्धिमता से आवश्यक शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करने में भी सफल रहेंगे। धर्मानुपालन में भी आपकी रूचि उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक कार्य क्रम का आयोजन करने में भी आप प्रवृत होंगे।

चतुर्थ मास
26/10/2026 06:28:25 से 25/11/2026 03:21:19 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	स्वाति	08:38:22
सूर्य		तुला	स्वाति	08:23:40
चन्द्र		मेष	अश्विनी	06:36:10
मंगल		कर्क	आश्लेषा	21:19:53
बुध	व	तुला	विशाखा	26:32:14
गुरु		कर्क	आश्लेषा	29:19:30
शुक्र	व	तुला	चित्रा	05:21:54
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	15:26:45
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	03:26:03
केतु	व	सिंह	मघा	03:26:03
मुंथा		कन्या	उ०फाल्गुनी	03:41:35

मासाधिपति

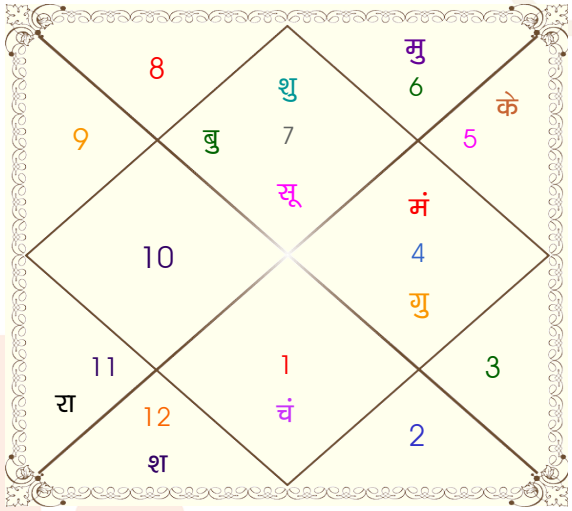

मासाधिपति : चन्द्र

यह मास आपका मध्यम रूप से व्यतीत होगा तथा आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगे। इस समय आपका व्ययाधिक्य रहेगा तथा दुष्ट मनुष्यों की संगति भी करेंगे फलतः समाज में आपके सम्मान में न्यूनता आएगी। इस समय आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ रहेंगे एवं मन में अशान्ति का भाव भी विद्यमान रहेगा। अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करने के लिए आपको अत्यधिक परिश्रम एवं पराक्रम प्रदर्शित करना पड़ेगा फिर भी सफलता अल्प मात्रा में ही मिलेगी। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा का भाव ही अधिक रहेगा साथ ही मित्रों एवं सम्बधियों के साथ परस्पर संबन्धों में तनाव रहेगा आपके कार्यक्षेत्र में भी इस समय व्यवधान उत्पन्न होगा एवं शत्रुपक्ष से भी चिन्ता तथा भय नित्य बना रहेगा। इसके अतिरिक्त मानसिक रूप से भी आप उद्विग्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी अर्जित करेंगे। इससे आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की भी वृद्धि होगी तथा अन्य प्रकार से भी आप सुखानुभूति प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन करेंगे।

पंचम् मास
25/11/2026 03:21:19 से 24/12/2026 16:21:24 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	22:54:09
सूर्य		वृश्चिक	अनुराधा	08:23:40
चन्द्र		वृष	रोहिणी	12:28:23
मंगल		सिंह	मघा	05:20:00
बुध		तुला	स्वाति	19:27:06
गुरु		सिंह	मघा	02:15:35
शुक्र		तुला	चित्रा	00:51:08
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	13:55:44
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	00:07:13
केतु	व	सिंह	मघा	00:07:13
मुंथा		कन्या	उ०फाल्गुनी	06:11:35

मासाधिपति

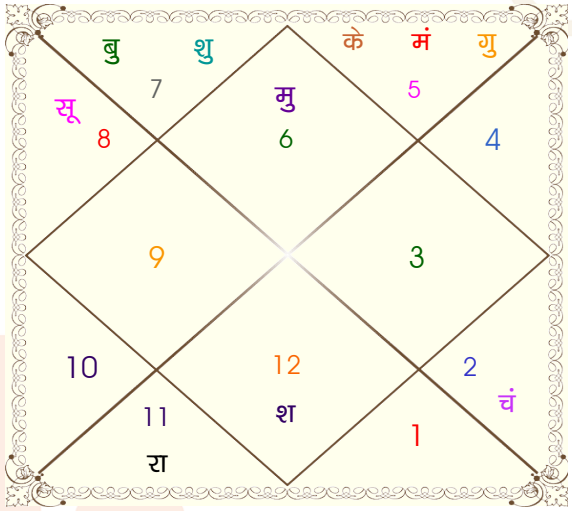

मासाधिपति : चन्द्र

यह मास आपके लिए अत्यंत सुख एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला होगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मन से भी आप पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रु वर्ग निर्बल एवं आपसे पराजित रहेगा। इस समय आपके लाभ मार्ग भी उन्नति की ओर अग्रसर रहेंगे फलतः आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी एवं धनाभाव नहीं रहेगा। साथ ही व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त अन्य स्त्रोतों से भी लाभार्जन करने में सफल रहेंगे इस मास में आपकी भाग्योन्नति भी होगी तथा तथा कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पन्न होंगे तथा काफी समय से रूके हुए कार्य भी सम्पन्न हो जाएंगे। बन्धु एवं मित्रों से आपके घनिष्ठ संबध रहेंगे एवं सम्सत सांसारिक कार्यो को आप अपने बुद्धिचातुर्य से सफल बनाएंगे। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आप उचित सहयोग तथा लाभ भी अर्जित करेंगे।

साथ ही इस मास में आप श्रेष्ठ जनों एवं उच्चाधिकार प्राप्त लोगों से सम्मान अर्जित करेंगे। इस समय आपके आजिविका संबधी कार्य में भी उन्नति एवं दृढ़ता का आभास होगा तथा दूर समीप की कोई लाभदायक यात्रा भी कर सकते है। साथ ही नवीन वस्त्रों या द्रव्यों की भी आप प्राप्ति करने में सफल रहेंगे। अतः आपके लिए यह मास शुभ रहेगा।

षष्ठ मास

24/12/2026 16:21:24 से 23/01/2027 03:06:26 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	रोहिणी	19:47:19
सूर्य		धनु	मूल	08:23:40
चन्द्र		मिथुन	आर्द्रा	13:59:27
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:28:10
बुध		धनु	मूल	03:41:56
गुरु	व	सिंह	मघा	02:34:31
शुक्र		तुला	विशाखा	21:56:30
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	13:51:36
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	27:20:26
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	27:20:26
मुंथा		कन्या	उ०फाल्गुनी	08:41:35

मासाधिपति

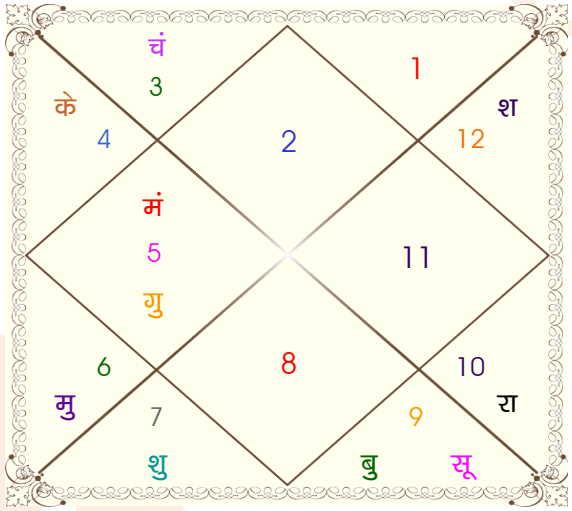

मासाधिपति : गुरु

इस मास में आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी। अतः आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य स्वबुद्धि बल से ही सम्पन्न होंगे। इस समय आप कई प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करेंगे तथा पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इस मास में आप ज्ञानार्जन करने में भी सफल रहेंगे। साथ ही प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को हृदय से स्वीकार करेंगे। इस मास में आपके अधिकाशं शुभ कार्य सम्पन्न होंगे तथा कहीं से कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा जिससे आपको मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप यथोचित लाभार्जन करने में सफल रहेंगे एवं समाज से भी आप पूर्ण मान प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। अतः मन से भी सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही शुभ फलों के साथ साथ इस मास में आप अशुभ फल भी प्राप्त करेंगे। इससे आप वायु द्वारा उत्पन्न रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा जाने अनजाने किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी तथा इसके लिए आप पश्चाताप करेंगे। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप धन हानि को प्राप्त कर सकते है। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा।

सप्तम् मास
23/01/2027 03:06:26 से 21/02/2027 17:46:36 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	11:23:33
सूर्य		मकर	उत्तराषाढ़ा	08:23:40
चन्द्र		कर्क	पुष्य	13:53:16
मंगल	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	15:11:37
बुध		मकर	श्रवण	21:58:41
गुरु	व	सिंह	मघा	00:13:34
शुक्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	22:31:59
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	15:18:59
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	26:18:37
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	26:18:37
मुंथा		कन्या	हस्त	11:11:35

मासाधिपति

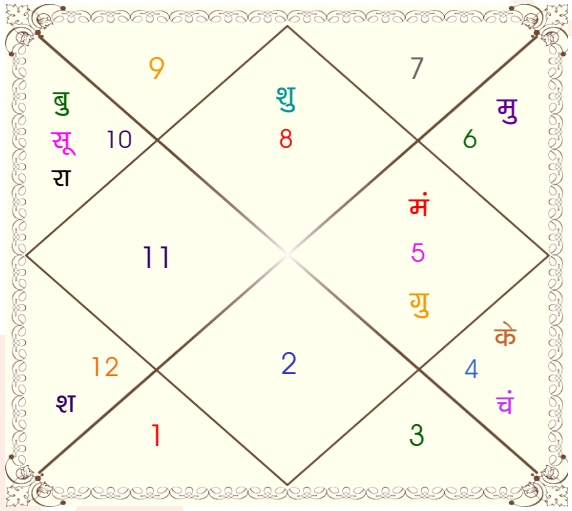

मासाधिपति : चन्द्र

इस मास को आप अत्यन्त ही सुख एवं आनन्दपूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय स्त्रीवर्ग से आपको वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा।साथ ही सौभाग्य से भी युक्त रहेंगे।अतः आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सहयोग तथा लाभार्जन करने में समर्थ रहेंगे तथा आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी उतम रहेगा। इस समय अध्ययन या ज्ञानार्जन में आपकी रूचि उत्पन्न होगी तथा इस में आप सफल भी होंगे।मित्रों तथा संबंधियों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे भी यथोचित सुख सम्मान एवं सहयोग प्राप्त होता रहेगा।साथ ही मनोच्छित द्रव्य पदार्थों की भी आपको इस मास में लाभ होने की सम्भावना रहेगी।संततिपक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सुख प्राप्त होगा। समाज में आपकी प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी सफलता अर्जित करने में आप सफल रहेंगे।फलतः आप मानसिक रूप से भी प्रसन्न एवं शान्त रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्र या द्रव्यों की भी आपको इस समय उपलब्धि हो सकती है।अतः यह मास आपके लिये अत्यन्त ही शुभ एवं सौभाग्य प्रदान करने वाला रहेगा।

अष्टम् मास
21/02/2027 17:46:36 से 23/03/2027 17:37:09 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	मघा	01:16:49
सूर्य		कुम्भ	शतभिषा	08:23:40
चन्द्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	15:43:30
मंगल	व	सिंह	मघा	05:47:33
बुध	व	कुम्भ	धनिष्ठा	02:24:17
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	26:25:42
शुक्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	26:35:10
शनि		मीन	रेवती	18:00:47
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	26:18:25
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	26:18:25
मुंथा		कन्या	हस्त	13:41:35

मासाधिपति

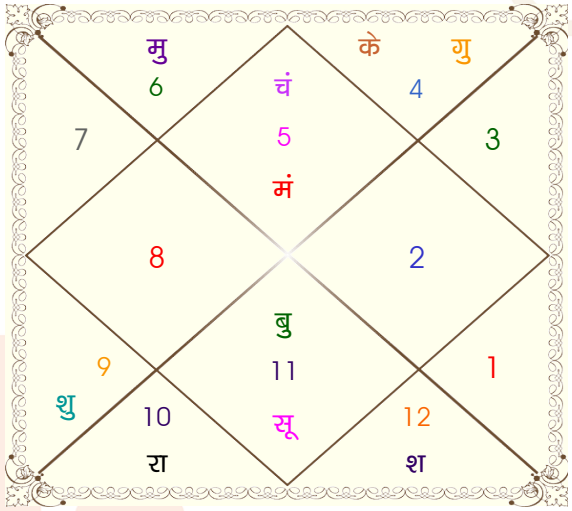

मासाधिपति : बुध

इस मास में आप अपने उत्साह के द्वारा धन लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सामाजिक जनों से आपको पूर्ण यश तथा सम्मान भी प्राप्त होगा। इस समय आपको अपने पारिवारिक जनों तथा बन्धु वर्ग के मध्य यथोचित प्रतिष्ठा अर्जित होगी तथा परस्पर संबध भी मधुर रहेंगे। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे। फलतः आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सिद्ध हो जाएंगे। आपकी मिष्ठान्न भक्षण में भी इस मास पूर्ण रूचि रहेगी।आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा रहेगा तथा उसमें बल की वृद्धि होती रहेगी। शत्रुपक्ष को पराजित तथा भयभीत करने में भी आप सफल रहेंगे तथा सभी जनों से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। फलतः आपका पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। इसके अतिरिक्त व्यापार अदि कार्यो में भी आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। इस प्रकार यह मास आपके लिये अत्यंत ही शुभफलदायक रहेगा।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुखी रहेंगे तथा सन्तति पक्ष से भी सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आपको नवीन वस्त्रों या वस्तुओं की प्राप्ति भी हो सकती है। अतः प्रसन्नता पूर्वक इस मास को व्यतीत करने में आप सफल रहेंगे।

नवम् मास

23/03/2027 17:37:09 से 23/04/2027 05:38:00 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	26:02:27
सूर्य		मीन	उ०भाद्रपद	08:23:40
चन्द्र		कन्या	हस्त	22:04:10
मंगल	व	कर्क	आश्लेषा	27:12:17
बुध		कुम्भ	शतभिषा	11:35:39
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	23:25:12
शुक्र		कुम्भ	धनिष्ठा	02:20:32
शनि		मीन	रेवती	21:31:03
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	25:35:21
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	25:35:21
मुंथा		कन्या	हस्त	16:11:35

मासाधिपति

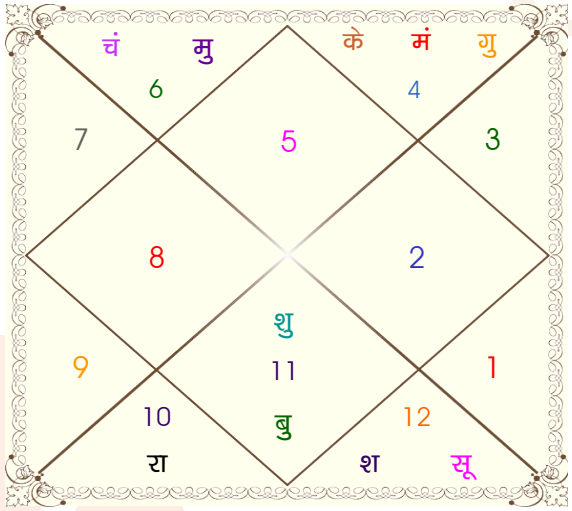

मासाधिपति : बुध

इस मास में आप अपने पराकम एवं उत्साह से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। साथ ही परिवार एवं सामाजिक जनों से आपको यथोचित मान सम्मान तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस समय आपके यश में भी अभिवृद्धि होगी तथा बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा उनसे आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से आपको आश्रय प्राप्त होगा तथा इसी परिपेक्ष्य में आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में सफल हो सकेंगे। इस मास में आप मिष्ठान्न के प्रति भी अधिक रूचिशीलता का प्रदर्शन करेंगे।साथ ही आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं शारीरिक बल में पूर्ण वृद्धि होगी। शत्रुवर्ग इस मास में आपका निर्बल रहेगा फलतः वे आपसे पराजित रहेंगे। स्त्री से भी आप सुख की प्राप्ति करेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापारादि कार्यो से भी आप अतिरिक्त आय अर्जित करने में सफल रहेंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ अशुभ फल भी घटित होंगे।अतः आप वातजन्य रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही इस समय आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी सामाजिक अवहेलना होगी तथा बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप न्यूनाधिक हानि प्राप्त कर सकते है। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त होकर मध्यम रहेगा।

दशम् मास
23/04/2027 05:38:00 से 24/05/2027 05:37:47 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	अश्विनी	01:34:45
सूर्य		मेष	अश्विनी	08:23:40
चन्द्र		वृश्चिक	अनुराधा	03:22:59
मंगल		कर्क	आश्लेषा	29:13:48
बुध		मेष	अश्विनी	01:48:21
गुरु		कर्क	आश्लेषा	22:54:23
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	09:12:08
शनि		मीन	रेवती	25:20:41
राहु	व	मकर	श्रवण	23:02:29
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	23:02:29
मुंथा		कन्या	हस्त	18:41:35

मासाधिपति

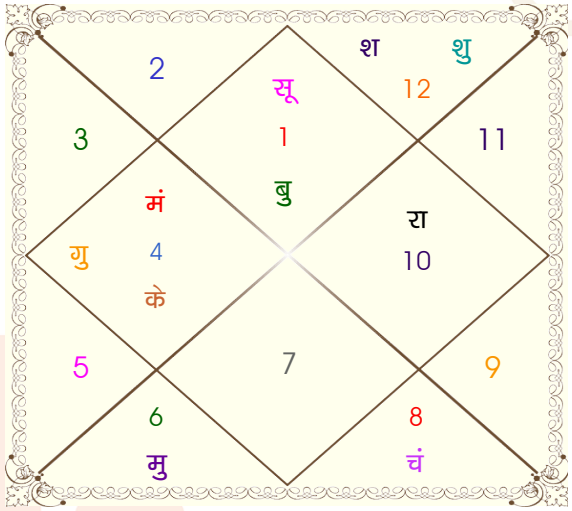

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में शुभ फल भी घटित होंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा अतः शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी।साथ ही आपके शत्रु भी इस महीने में प्रबल रहेंगे तथा आपके लिए समय समय पर समस्याएं उत्पन्न करेंगे।अतः इनसे आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से भी अशान्त रहेंगे। इस समय आपके घर में किसी प्रकार से चोरी भी हो सकती है अतः सावधान रहना चाहिए।उच्चाधिकारी वर्ग से इस मास में आपको पूर्ण सहयोग करना चाहिए तथा विनम्रता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए अन्यथा उपेक्षा होने पर वे आपको दंडित कर सकते हैं।साथ ही इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे एवं धन का व्यय भी अधिक रहेगा जिससे आर्थिक स्थिति भी कमजोर होगी। इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। मित्रों एवं संबधियों से आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव का वातावरण रहेगा। साथ ही समाज से भी आप उपेक्षित रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय सफल नहीं होगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के मध्य आपको यदाकदा शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप स्त्री से सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे साथ ही आपके महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम एवं बुद्धि बल से सम्पन्न होंगे। इस प्रकार आप सामान्य धनार्जन एवं सुख प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे।

एकादश मास
24/05/2027 05:37:47 से 24/06/2027 14:04:13 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	कृतिका	07:02:11
सूर्य		वृष	कृतिका	08:23:40
चन्द्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	18:29:22
मंगल		सिंह	मघा	09:27:19
बुध		मिथुन	मृगशिरा	00:34:57
गुरु		कर्क	आश्लेषा	25:11:48
शुक्र		मेष	भरणी	16:51:30
शनि		मीन	रेवती	28:58:20
राहु	व	मकर	श्रवण	19:44:35
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	19:44:35
मुंथा		कन्या	हस्त	21:11:35

मासाधिपति

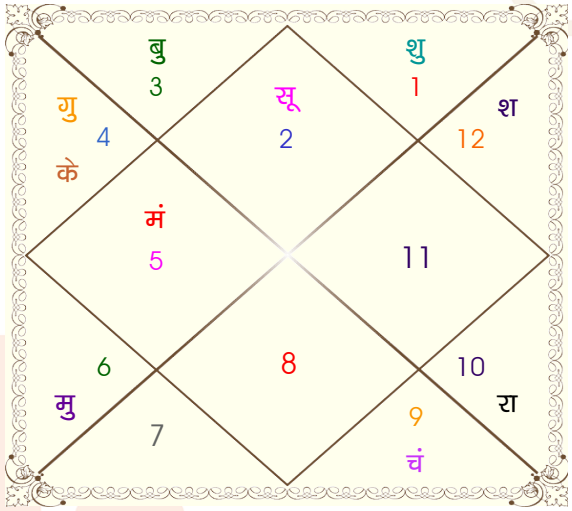

मासाधिपति : बुध

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही नवीन ज्ञानार्जन करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस समय समाज में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित आदर प्रदान करेंगे।आपके महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सम्पन्न होंगे तथा कहीं से कोई शुभ समाचार भी सुनने को मिलेगा।देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा के कार्य में तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य के उच्चाधिकारी वर्ग से भी लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में आप सफल होंगे।साथ ही आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा मानसिक चिन्ताओं से मुक्ति मिलेगी जिससे मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अपने बुद्धिचातुर्य से धनार्जन एवं सुख साधनों को प्राप्त करने में समर्थ सिद्ध होंगे। इसके अतिरिक्त इस समय धर्मानुपालन में तत्पर रह कर समाज के सभी लोगों में आप एक प्रतिष्ठित व्यक्ति रहेंगे तथा वे आपका हार्दिक सम्मान करेंगे।

द्वादश मास

24/06/2027 14:04:13 से 26/07/2027 00:56:17 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	चित्रा	01:13:32
सूर्य		मिथुन	आर्द्रा	08:23:40
चन्द्र		कुम्भ	धनिष्ठा	06:31:40
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	24:19:04
बुध	व	मिथुन	आर्द्रा	06:49:41
गुरु		कर्क	आश्लेषा	29:43:08
शुक्र		वृष	मृगशिरा	25:04:47
शनि		मेष	अश्विनी	01:50:52
राहु		मकर	श्रवण	17:46:08
केतु		कर्क	आश्लेषा	17:46:08
मुंथा		कन्या	चित्रा	23:41:35

मासाधिपति

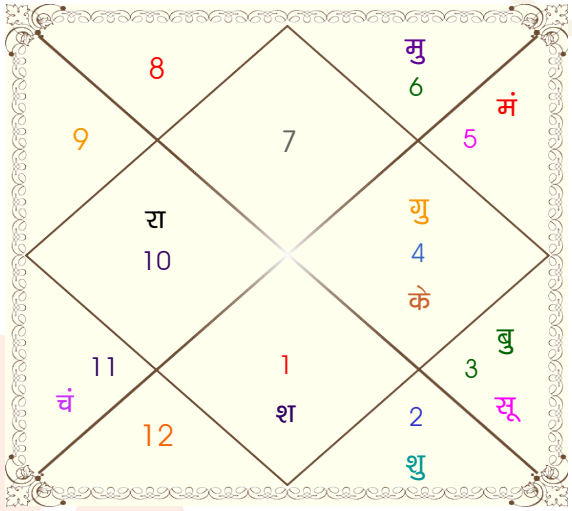

मासाधिपति : बुध

यह मास आपके लिए अशुभ तथा परेशानियां उत्पन्न करने वाला सिद्ध होगा इस समय आप अधिक मात्रा में व्यय करेंगे जिससे आप आर्थिक दृष्टि से परेशान होंगे।साथ ही आप दुष्ट मनुष्यों की संगति में भी रहेंगे। इस मास में आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। इस समय आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अधिक परिश्रम के द्वारा अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। धर्म के प्रति भी आपकी विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में उपेक्षा का भाव रहेगा।संबधियों तथा मित्रों से भी आपके मधुर सम्बन्ध नहीं रहेंगे तथा इनसे परस्पर मनमुटाव रहेगा। इस समय आप जो भी कार्य प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही हाथ लगेगी फलतः मानसिक रूप से आप असन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरक्त शत्रु वर्ग से भी आप इस समय चिन्तित एवं भयभीत रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप शीत से उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे एवं किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी समाज में अवमानना होगी तथा बाद में आप पश्चाताप करेंगे। साथ ही आग के द्वारा भी आपको हानि हो सकती है। अतः संयम तथा बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।